MHD–04

एम. ए. हिन्दी (MHDOL)

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

नोट: 1. खण्ड 'क' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. खण्ड 'ख' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. खण्ड 'ग' से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×4=20)

1. 'अदम्य जीवन' पर टिप्पणी लिखिए।

2. 'औरत' का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. 'भारत दुर्दशा' नाटक पर टिप्पणी लिखिए।

4. 'आधे अधूरे' नाटक के किसी एक पात्र का वर्णन कीजिए।

5. साक्षात्कार लेने वाले की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

6. 'ठकुरी बाबा' पर टिप्पणी लिखिए।

7. साक्षात्कार की लेखन-शैली पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड—ख

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (5×10=50)

8. 'तीसरे दर्जे का श्रद्धेय' की अंतर्वस्तु का विश्लेषण कीजिए।

9. रिपोर्ताज विधा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

10. 'अदम्य जीवन' की शिल्पगत विशेषताओं पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

11. 'बसंत का अग्रदूत' की अंतर्वस्तु का विश्लेषण कीजिए।

12. 'कलम का सिपाही' के शिल्पगत वैशिष्ट्य का विश्लेषण कीजिए।

13. आत्मकथा की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का मूल्यांकन कीजिए।

14. 'किन्नर देश की ओर' की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ग

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2×15=30)

15. भारतेन्दुयुगीन राजनैतिक-सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'अन्धेर नगरी' नाटक पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

16. मोहन राकेश के नाट्य संबंधी विचार पर प्रकाश डालिए।

17. असंगत नाटक की विशेषताओं के संदर्भ में 'ताँबे के कीड़े' का विवेचन कीजिए।